हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 6 जुलाई 2026

13 सरकार किसानों और ग्रामीणों को सुविधाएं ...

14 सीवर की खुदाई के चलते छह दिनों से घरों में कैद...

हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा लेवल-एक व दो कड़ी सुरक्षा में हुई संपन्न

महिला परीक्षार्थियों के कंगन, चिमटी, चेन नाक का मोती व कानों की बालियां उतरवाई

परीक्षा के दौरान चप्पे चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित अध्यापक पात्रता परीक्षा-लेवल -1 व दो की परीक्षा को लेकर जबरदस्त सुरक्षा व्यवस्था रही। परीक्षा केंद्रों के आसपास पुलिस का जबरदस्त पहरा रहा। महिला परीक्षार्थियों के हाथों से कंगन, बालों से चिमटी, रबर, सोने व चांदी की चेन, नाक का मोती व कानों की बालियां निकलवाई। हालांकि मंगलसूत्र नहीं निकलवाया,लेकिन अन्य आभूषणों पहनने पर पूरी तरह से पाबंदी रही।

वहीं पुरुष परीक्षार्थियों के मोबाइल, पैंट की बेल्ट व अन्य इल्कट्रोनिक्स गजट को भी परीक्षा केंद्र के बाहर ही रखवा दिया। इस दौरान परीक्षार्थियों के रोलनम्बर व एक अन्य आईडी जांचने के बाद ही उनको परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश मिला। वहां पर उनके कागजातों की जांच करने के बाद बायोमेटीक मशीन से अंगूठे का मिलान करवाया गया, हस्ताक्षर करवाए गए। इन सब कार्यों की वीडियों ग्राफी तथा सीसीटीवी कैमरों की नजर तले हुए। सारी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश मिला।

सुबह की पारी में सात बजकर 50 मिनट पर परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश देना आरंभ किया।गेट के बाहर परीक्षार्थियों के रोलनम्बर की सीटिंग प्लान लगी हुई थी। गेट के बाहर भीड़ न लगे। इसके लिए पुलिस ने परीक्षार्थियों की लाइनें बनवाई। लाइनों में लगने के बाद परीक्षार्थियों के रोलनम्बर व अन्य पहचान पत्र की जांच शुरू हुई। पुलिस व जांच एजेंसियों की जांच पूरी होने के बाद ही परीक्षार्थियों केा आगे जाने दिया। इस दौरान चप्पे चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहे। परीक्षा केंद्र के बाहर व प्रवेश गेट के आगे पुलिस सुरक्षा व्यवस्था रही। किसी भी बाहरी व्यक्ति को परीक्षा केंद्र के आसपास तक नहीं फटकने तक दिया।

वहीं दूसरी पाली में परीक्षा केंद्रों पर 12 बजकर 50 मिनट पर परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र के भवन का प्रवेश द्वार खोला गया। उसके बाद परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र मे प्रवेश मिलना शुरू हुआ। इस दौरान बच्चों की अच्छी तरह से जांच पडताल की और कागजातों की जांच के बाद ही उनको अंदर जाने दिया।

सड़कों पर कई बार बनी जाम की स्थिति

शहर में बने परीक्षा केंद्रों पर बाहरी जिलों व जिले के दूर दराज के इलाकों से आने वाले परीक्षार्थियों के निजी वाहनों की वजह से सड़कों पर जाम की स्थिति बनी। सुबह व शाम की दोनों पारियों में इस तरह की स्थिति बनी रही। हालांकि यातायात पुलिस की मुस्तैदी के चलते कुछ देर बाद ही जाम की स्थिति को खतम कर दिया,लेकिन एक बार जाम लगने के बाद सामान्य स्थिति होने में करीब दस से 15 मिनट का समय तो लगता ही है। शाम को जिस वक्त परीक्षा का समापन हुआ। उस वक्त परीक्षार्थियों के गंतव्य को जाने के लिए खूब आपाधापी मची। वहीं निजी वाहनों की वजह से सड़कों पर वाहनों की लम्बी लाइनें लगने लगी। पर पुलिस ने यातायात व्यवस्था को बिगड़ने नहीं दिया। कुछ देर बाद स्थिति सामान्य हो गई।

लेवल-2 में 6636 परीक्षार्थियों में से 798 और लेवल एक की परीक्षा में 1927 में से 411 अनुपस्थित रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

डीसी साहिल गुप्ता द्वारा विभिन्न अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी व सख्त निर्देशों के बीच रविवार को एचटेट परीक्षा शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा के ओवरऑल इंचार्ज एडीसी दीपक बाबूलाल करवा सहित एसडीएम महेश कुमार और डीएमसी हरबीर सिंह ने दोनों शिफ्टों में पूरा दिन मोर्चा संभाले रखा। जिलाधीश साहिल गुप्ता द्वारा परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में लगाई गई धारा 163 के चलते पूरी सख्ती बरती गई। पुलिस ने परीक्षा केंद्रों के बाहर कड़ा पहरा दिया वहीं परिक्षार्थियों को परीक्षा केंदों तक पहुंचाने में मदद की। बायोमेट्रिक और फिक्सिंग के बाद ही परीक्षार्थियों का परीक्षा केंद्रों में प्रवेश हुआ। परीक्षा सम्पन्न होने के बाद परीक्षार्थी खिलखिलाते चेहरों पर मुस्कान के साथ परीक्षा केंद्रों के बाहर निकलते आएं। सुबह की शिफ्ट में लेवल 2 में कुल 6636 परीक्षार्थियों में से 798 अनुपस्थित रहे और 5838 ने परीक्षा की। शाम की शिफ्ट में लेवल एक की परीक्षा में कुल 1927 परीक्षार्थियों में 1516 ने परीक्षा दी, जबकि 411 अनुपस्थित रहे।

नोडल अधिकारियों ने संभाला मोर्चा

डीसी ने एचटेट 2026 के सफल और निष्पक्ष संचालन के लिए जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की थीं। एसडीएम भिवानी महेश कुमार को परीक्षा केंद्र 04, 05, 10, 11, 18 एवं 21, जिला नगर आयुक्त हरबीर सिंह को परीक्षा केंद्र 01, 02, 03, 12, 13, 14 एवं 15 तथा एसडीएम तोशाम तोशाम संदीप कुमार को परीक्षा केंद्र 06, 07, 08, 09 एवं 16 का नोडल अधिकारी लगाया गया। महाप्रबंधक, हरियाणा राज्य परिवहन, भिवानी दीपक कुंडु को केंद्र संख्या 17, 19 एवं 20 का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया।

चरखीदादरी: लेवल-2 की परीक्षा में 474 अनुपस्थित रहे और लेवल- 1 में 244 परीक्षार्थी नहीं आए इम्तिहान देने

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की ओर से रविवार को सुबह और शाम को दो शिफ्ट में हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा लेवल दो व एक का आयोजन किया गया। लेवल दो ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर (टीजीटी) के लिए जिले में 11 और लेवल एक प्राइमरी टीचर (पीआरटी) के लिए चार परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। जिले में 3478 परीक्षार्थियों को लेवल दो की परीक्षा देनी थी लेकिन इनमें से 474 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे और 3004 ने परीक्षा दी। वहीं 1045 परीक्षार्थियों को लेवल एक की परीक्षा देनी थी। इनमें से भी 244 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे और 801 ने परीक्षा दी। रविवार को दोनों सत्रों में कुल 3805 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और दोनों सत्रों में 718 उम्मीदवार अनुपस्थित रहे।

लेवल दो की परीक्षा के लिए परीक्षार्थी रविवार सुबह सात बजे से ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने लगे थे। सुबह आठ बजे केंद्रों में परीक्षार्थियों का प्रवेश शुरू हुआ और 10 बजे परीक्षा शुरू हुई। परीक्षार्थियों के परीक्षा केंद्र में जाने के चलते काफी संख्या में परिजन केंद्रों के आसपास उनका इंतजार करते नजर आए। दोपहर साढ़े 12 बजे लेवल दो की परीक्षा संपन्न हुई। उसके तुरंत बाद चार परीक्षा केंद्रों पर दोपहर एक बजे लेवल एक की परीक्षा के लिए एंट्री शुरू कर दी गई। दोपहर तीन से शाम साढ़े पांच बजे तक लेवल एक की परीक्षा चली। एचटेट लेवल एक में परीक्षार्थियों की संख्या कम होने के चलते जिले में केवल चार केंद्र बनाए गए थे।

दूसरे दिन भी मुस्तैद रही पुलिस

जिले में हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा को शांतिपूर्वक माहौल में संपन्न करवाने के लिए दादरी जिला पुलिस दूसरे दिन रविवार को भी मुस्तैद रही। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर महिला व पुरुष पुलिसकर्मी तैनात रहे। डीएसपी कप्तान सिंह, डीएसपी जसपाल सिंह सहित थाना प्रबंधक व अन्य पुलिस अधिकारी भी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा व यातायात व्यवस्था का जायजा ले रहे थे। परीक्षा केंद्रों के आसपास यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा वाहनों को भी दूर खड़ा करवाया जा रहा था।

स्काउट्स एवं गाइड्स ने संभाला मोर्चा

प्लास्टिक मुक्त का संदेश दते हुए स्टील के गिलासों में कराया जलपान

भिवानी। दो दिवसीय हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए द हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप द्वारा परीक्षा के दूसरे दिन रविवार को सराहनीय सेवा अभियान चलाया गया। परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों की सहायता के लिए विभिन्न परीक्षा केंद्रों के बाहर विशेष हेल्प डेस्क स्थापित किए गए और उनके लिए जलपान की उत्तम व्यवस्था की गई। यह पूरा सेवा कार्य जिला उपायुक्त साहिल गुप्ता, जिला एसपी सुमित कुमार तथा डीईओ निर्मला दहिया के दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित किया गया था। चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप के ग्रुप लीडर सागर सज्जन सिंह एवं कोऑर्डिनेटर लक्ष्मण गौड़ के मार्गदर्शन में जिला के तीन प्रमुख परीक्षा केंद्रों टीआईटी), वैश्य कॉलेज तथा राजकीय कन्या वमावि के बाहर हेल्प डेस्क संचालित किए गए। स्काउटिंग के मूल मंत्र सदैव तत्पर और सेवा की भावना को आत्मसात करते हुए कुल 32 स्काउट और गाइड जवानों ने इस अभियान में अपनी सेवाएं दीं।

परीक्षार्थियों के लिए लगाई मीठे पानी की छबील

जरूरत पड़ने पर एक छात्र के लिए फोटो कॉपी की व्यवस्था करवाई

चरखी दादरी। भारत विकास परिषद शाखा चरखी दादरी द्वारा रविवार को एचटेट के परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों के लिए विशेष सहायता केंद्र और मीठे पानी की छबील का आयोजन किया गया। यह सेवा कार्य सुबह 7:00 बजे से ही शुरू कर दिया गया था, जिसका उद्देश्य दूर-दराज के क्षेत्रों से परीक्षा देने पहुंचे छात्र-छात्राओं को हर संभव मार्गदर्शन और सुविधाएं प्रदान करना था। आयोजन में पहुंचे भाजपा जिला महामंत्री रविंद्र शिलगर ने बताया कि विभिन्न जिलों और राज्यों से बड़ी संख्या में परीक्षार्थी चरखी दादरी पहुंचे थे। परीक्षा केंद्र में प्रवेश से ठीक पहले छात्र को अपने दस्तावेजों की फोटोकॉपी की सख्त जरूरत पड़ गई। छात्र की परेशानी को देखते हुए परिषद के सदस्यों ने तुरंत तत्परता दिखाई। उन्होंने तुरंत अपने व्यक्तिगत स्तर पर संपर्क साधकर विशेष रूप से फोटोकॉपी की व्यवस्था करवाई। समय रहते दस्तावेज तैयार होने से छात्र बेहद मानसिक तनाव से बच गया और समय पर परीक्षा हॉल में प्रवेश कर सका।

उज्जैन जाने के लिए साधन नहीं मिला तो चुरा ली रोडवेज बस, आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

- चोरी की गई बस को दादरी पुलिस ने राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के चंदेरिया थाना क्षेत्र से कर लिया बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

दादरी के बस स्टैंड परिसर से शुक्रवार रात को चुराई गई रोडवेज बस को दादरी पुलिस ने राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के चंदेरिया थाना क्षेत्र से बरामद करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी की पहचान झज्जर जिले के गांव दुल्हेड़ा निवासी अजय कुमार के रूप में हुई है। शुरुआती पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी अजय को उज्जैन जाना था और उज्जैन जाने के लिए साधन न मिलने पर उसने रोडवेज बस ही चुरा ली। आरोपी को रविवार को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि खातीवास निवासी हरियाणा रोडवेज चालक महेन्द्र सिंह ने थाना शहर दादरी में अपनी रोडवेज बस चोरी होने की शिकायत दर्ज करवाई थी। जांच के दौरान पता चला कि चोरी की गई बस थाना चंदेरिया, जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) क्षेत्र में बरामद कर ली गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम शिकायतकर्ता के साथ राजस्थान पहुंची। पुलिस जांच में पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर हेड कांस्टेबल योगेश ने गांव दुल्हेड़ा जिला झज्जर निवासी आरोपी अजय कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी के खुलासा बयान के आधार पर चोरी की गई बस बरामद की गई। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

डीटीसी में चालक रह चुका है आरोपी अजय कुमार

दादरी सिटी पुलिस थाना प्रभारी निरीक्षक चंद्रशेखर ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तकनीकी और जमीनी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। जांच में पता चला कि चोरी की गई बस राजस्थान की ओर गई है। पुलिस ने रूट के टोल प्लाजा की फुटेज खंगाली, जिसमें बस लोहारू टोल पार करती दिखाई दी। जिसके बाद राजस्थान पुलिस को भी अलर्ट किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी अजय कुमार पहले दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) में भी चालक रह चुका है। उसके खिलाफ पहले भी तीन-चार आपराधिक मामले भी दर्ज हैं। आरोपी ने बताया कि उसे उज्जैन जाना था, लेकिन बस स्टैंड पर कोई साधन नहीं मिला। इसी दौरान उसकी नजर बस स्टैंड पर खड़ी हरियाणा रोडवेज की बस पर पड़ी, जिसमें चाबी लगी हुई थी।

वजीर सिंह धनाना बने भिवानी व दादरी के जिला प्रधान, नवनियुक्तों को दिलाई शपथ

- शीर्ष नेतृत्व की देखरेख में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हुड्डा पार्क में रविवार को भिवानी और चरखी दादरी जिलों के पैक्स कर्मचारियों का चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। इस चुनावी सभा में दोनों जिलों के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

चुनाव को निष्पक्ष और सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए पैक्स कर्मचारी महासंघ हरियाणा के शीर्ष पदाधिकारी विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में पैक्स कर्मचारी महासंघ हरियाणा के प्रदेश प्रधान अमृत लाल नयन, प्रदेश महामंत्री सुरजीत और हिसार जिला अध्यक्ष अनिल पुनिया ने पूरी चुनावी प्रक्रिया की निगरानी की। शीर्ष नेतृत्व की देखरेख में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। वजीर सिंह धनाना भिवानी व दादरी प्रधान, आनंद सिंह को उपप्रधान, उदयपाल सिंह को उपप्रधान, सुरेश सिंह महासचिव, मुकेश नांदा को सह सचिव, सुरेंद्र सिंह को कोषाध्यक्ष, नरेश मंडाना को मुख्य सलाहकार, धर्मपाल लोहारू को मीडिया प्रभारी, शिवचरण को दादरी इंचार्ज, विजय सिंह को ऑडिटर, राजबीर सिंह को संगठन मंत्री, सुखबीर सिंह को प्रैस प्रवक्ता की जिम्मेवारी सौंपी गई।

कार्यकारिणी के गठन के बाद मुख्य चुनाव पर्यवेक्षक ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने पदाधिकारियों को संगठन की गरिमा बनाए रखने और कर्मचारियों की आवाज़ को मजबूती से उठाने की बात कही। इस मौके पर नवनियुक्त जिला प्रधान वजीर सिंह धनाना ने कहा कि वे शीर्ष नेतृत्व और भिवानी व दादरी के सभी पैक्स कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते है। जिन्होंने उन पर यह भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि हमारी नई टीम पूरी निष्ठा, ईमानदारी और मेहनत से कर्मचारियों के हितों के लिए कार्य करेगी। हम कर्मचारियों की हर छोटी-बड़ी समस्या के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर आनंद, मुकेश, धर्मपाल, सहित अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

वन स्टॉप सेंटर का किया औचक निरीक्षण

चरखी दादरी। हरियाणा राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता लोहचब ने चरखी दादरी स्थित वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सेंटर में महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के बाद बातचीत करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज में महिलाओं का सम्मान, स्वाभिमान और उनकी पुख्ता सुरक्षा सुनिश्चित करना महिला आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान महिला आयोग की सदस्य सुनीता लोहचब ने वन स्टॉप सेंटर के भीतर पीड़ित व जरूरतमंद महिलाओं को दी जाने वाली कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श, अस्थाई आश्रय और चिकित्सा सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की।

समारोह | डीएससी यूथ ब्रिगेड हरियाणा के तत्वावधान में आयोजित हुआ कार्यक्रम

संत शिरोमणि कबीरदास की शिक्षाएं हमेशा प्रासंगिक रहेंगी: डॉ. अरविंद शर्मा

मंत्री ने डीएससी यूथ ब्रिगेड संस्था को पांच लाख रुपये सहायता राशि देने की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। कबीर जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन मंत्री व अन्य। फोटो : हरिभूमि

संत शिरोमणि कबीरदास महाराज की 629 वीं जयंती के उपलक्ष्य में डीएससी यूथ ब्रिगेड हरियाणा के तत्वावधान में पंचायत भवन में भव्य और शानदार समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में सहकारिता एवं कारागार मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। समारोह की अध्यक्षता पूर्व जिला पार्षद मास्टर अजीत बामला ने की तथा समारोह यूथ ब्रिगेड के प्रदेशाध्यक्ष धर्मबीर डाबला के संयोजन में आयोजित हुए।

इस कार्यक्रम में विधायक घनश्याम सर्राफ, विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि, हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन मीना परमार, भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक तथा पूर्व विधायक शशि रंजन परमार और संदीप खरकिया विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा को डीएससी रत्न से सम्मानित किया गया। मंत्री डॉ. शर्मा ने डीएससी समाज से अपने बच्चों को उच्च शिक्षित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बच्चे हमारी असली पूंजी होते हैं। उन्होंने कार्यक्रम आयोजक डीएससी यूथ ब्रिगेड संस्था को पांच लाख रुपए सहायता राशि देने की घोषणा की। मंत्री ने समाज के होनहार बच्चों को सम्मानित किया। कबीर जयंती के अवसर पर डॉ. शर्मा ने कहा कि संत कबीरदास ने मानवता और सेवाभाव का संदेश दिया, जो सबसे बड़ा होता है। संत कबीरदास महाराज की शिक्षाएं हमेशा प्रासंगिक रहेंगी। वे सर्व समाज के थे। उनका उपदेश समाज के हर वर्ग के लोगों के लिए है। उन्होंने कहा कि इंसान के अंदर सेवा का भाव होना चाहिए। इसी सेवा भाव से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लोगों की सेवा कर रहे हैं। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि आने वाला समय देश, प्रदेश और समाज के लिए गौरवशाली होगा। उन्होंने कहा कि कबीरदास महाराज के उपदेशों को अपने जीवन में ढालना चाहिए। विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने कहा कि हमें संत कबीरदास द्वारा दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने समाज में एकता व समरसता का संदेश दिया। हरियाणा महिला आयोग की वाइस चेयरपर्सन मीना परमार ने कहा कि संत कबीरदास ने समाज में समरसता का संदेश दिया।

पौने आठ लाख की साइबर धोखाधड़ी के मामले में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट के नाम पर लागाई थी लाखों की चपत

विज्ञापन पर क्लिक करने के बाद वह एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

पुलिस की थाना साइबर क्राइम टीम ने शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट के नाम पर लाखों रुपये की साइबर धोखाधड़ी करने के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। शिकायतकर्ता हरदीप निवासी बिधवान ने थाना साइबर क्राइम भिवानी में शिकायत दर्ज करवाई थी।

शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि नौ अक्तूबर को फेसबुक देखते समय उसे एक विज्ञापन दिखाई दिया। विज्ञापन पर क्लिक करने के बाद वह एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ गया। इसके बाद आरोपियों द्वारा उसे इंटरनेशनल शेयर मार्केट में निवेश करने के नाम पर लुभावने ऑफर दिए गए तथा अलग-अलग तिथियों में कुल 7,74,000 रुपए अपने खातों में ट्रांसफर करवा लिए गए। बाद में शिकायतकर्ता को पता चला कि उसके साथ शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर साइबर धोखाधड़ी की गई है। शिकायत पर थाना साइबर क्राइम भिवानी में संबंधित धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया गया था। मामले में प्रभावी कार्रवाई करते हुए थाना भिवानी के मुख्य सिपाही अमरजीत ने आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मोहम्मद रफीक पुत्र रसूल खान निवासी जैतपुर दिल्ली के रूप में हुई है।

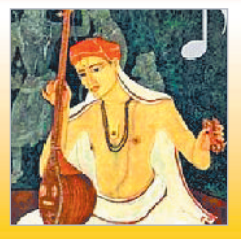

रागों के नाम पर गांव

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

प्रेम विवाह से बिखरता सामाजिक और पारिवारिक प्रेम

पुराने समय से ही एक गांव या गोत्र के लोगों को आपस में भाई-बहन माना जाता रहा है ताकि एक ही गोत्र में शादी न हो। आज दुनिया का आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी हमारे पूर्वजों की इस सोच को पूरी तरह सही मानता है।

मंथन

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत की आत्मा इसके गांवों में बसती है। इस सन्दर्भ में बात जब हरियाणा की हो तो हम पाते हैं कि यहां का समाज भाईचारे और सामूहिक सोच की एक बहुत मजबूत डोर है। आज वैश्वीकरण और महानगरों की अंधी दौड़ ने इस पुराने सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक हिला दिया है। इसका सबसे बड़ा और विवादित रूप प्रेम विवाह के रूप में सामने आ रहा है। आज की युवा पीढ़ी इसे अपनी आज़ादी और संवैधानिक अधिकार मानती है, जबकि गांव के बुजुर्ग और माता-पिता इस बदलाव से बहुत डरे हुए तथा लाचार प्रतीत होते हैं।

यह सिर्फ दो पीढ़ियों की सोच का अंतर नहीं है, बल्कि पुरानी मर्यादाओं और आधुनिकता के बीच का वह टकराव है, जिसकी वजह से ग्रामीण समाज एक गहरी मानसिक चिंता में है। हमारे समाज में अप्रत्याशित सकारात्मक बदलाव हुए हैं। जो बेटियां कल तक घर के चौके-चूल्हे तक सीमित थीं, वे आज बड़े विश्वविद्यालयों में पढ़ रही हैं। माता-पिता अपनी जिंदगी भर की कमाई और जमीन-जायदाद दांव पर लगाकर बच्चों को इस उम्मीद से बाहर भेजते हैं कि वे समाज में उनका नाम रोशन करेंगे। इसी के साथ उन माता-पिता के दिलों में एक गहरा डर भी बैठ गया है। हर उस पिता की रातें बेचैनी में कटती हैं जिसके बच्चे शहर में पढ़ रहे हैं। उन्हें हर पल यह डर सताता है कि कहीं उनके बच्चे शहर की चकाचौंध में बहकर कोई ऐसा कदम न उठा लें, जिससे सदियों पुराना पारिवारिक सम्मान एक झटके में खत्म हो जाए। जब कोई बच्चा परिवार की मर्जी और सामाजिक मर्यादाओं के खिलाफ जाकर अपनी मर्जी से जीवनसाथी चुनता है तो इसका सबसे बड़ा दुख उन बूढ़े माता-पिता को होता है जिन्होंने उसे उंगली पकड़कर चलना सिखाया था। इस पूरी स्थिति का एक दूसरा पहलू भी है जिसे समझना बहुत जरूरी है। जहां पुराना समाज सामूहिक सोच को सबसे ऊपर रखता है, वहीं आज की आधुनिक शिक्षा प्राप्त युवा पीढ़ी अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अधिकारों को जीवन का आधार मानती है। हमारा संविधान भी सबको अपनी पसंद से जीने और जीवनसाथी चुनने का हक देता है। आज का युवा वर्ग जाति-पाति, भारी दहेज प्रथा और जबरदस्ती थोपे गए बेमेल विवाह जैसी पुरानी कुरीतियों से आज़ाद होना चाहता है। उनके लिए शादी सिर्फ दो परिवारों का समझौता नहीं, बल्कि दो लोगों के विचारों का मिलना है। कई बार जब युवा देखते हैं कि पारंपरिक शादियों में भी महिलाओं को दहेज या घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ता है तो वे अपनी पसंद की शादी की तरफ ज्यादा झुकते हैं। इसलिए उनके इस कदम को सिर्फ मनमानी कहना गलत होगा क्योंकि यह कई बार समाज की रूढ़िवादी सोच के खिलाफ एक शांतिपूर्ण विद्रोह भी होता है। इस आधुनिकता में एक बहुत बड़ा और अजीब विरोधाभास भी है। हरियाणा के गांवों में अपनी सीमा और गोत्र में शादी न करने का नियम केवल कोई अंधविश्वास या रूढ़िवादी परंपरा नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बहुत ही मजबूत वैज्ञानिक आधार है। पुराने समय से ही एक गांव या एक गोत्र के लोगों को आपस में भाई-बहन माना जाता रहा है ताकि एक ही गोत्र में शादी न हो। आज दुनिया का आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी हमारे पूर्वजों की इस सोच को पूरी तरह सही मानता है।

2013 में नेचर रिव्यूज जेनेटिक्स और 2019 में द लैंसेट जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं की रिपोर्टें भी यह पुष्ट करती हैं कि खून के रिश्तों में शादी करने वाले समुदायों में ऑटोसॉमल रिसेसिव विकारों का स्तर बहुत ज्यादा होता है, जो बच्चों में गंभीर शारीरिक और मानसिक विकलांगता का कारण बनता है। इसलिए गोत्र बदलकर शादी करना कोई पिछड़ापन नहीं, बल्कि आनुवंशिक विविधता को बचाकर बच्चों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने का एक परखा हुआ वैज्ञानिक तरीका है। जब कोई युवा इस वैज्ञानिक सत्य को दरकिनार कर अपने ही गांव या गोत्र में शादी करता है तो यह केवल एक सामाजिक नियम का टूटना नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ी की सेहत से खिलवाड़ और पूरे गांव के विश्वास की हत्या मानी जाती है। यह परिवार के लिए एक ऐसा मानसिक दुख बन जाता है, जहां वे समाज को यह नहीं समझा पाते कि जिस रिश्ते को कल तक भाई-बहन माना जाता था, वह अचानक पति-पत्नी कैसे बन गया। इस सामाजिक भूचाल के पीछे गहरा आर्थिक कारण भी है।

खेती पर निर्भरता घटने और बड़े शहरों के विकसित होने से युवा काम की तलाश में तेजी से शहरों की तरफ गए हैं। पढ़-लिखकर अपने पैरों पर खड़े होने के बाद वे खुद को पारिवारिक बंधनों से आज़ाद समझने लगते हैं। शहर के अनाम माहौल में, जहां कोई किसी की जाति या गांव नहीं पूछता, युवाओं के लिए गोत्र या गांव के भाईचारे की दीवारें बेमानी हो जाती हैं और उनकी अपनी पसंद ही सबसे बड़ी हो जाती है। इस टकराव के कारण कई बार सम्मान के नाम पर हत्या यानी ऑनर किलिंग जैसी दुखद घटनाएं भी सामने आती हैं। किसी भी मनुष्य की जान लेना पूरी तरह से अनुचित और अमानवीय अपराध है। पुराने समय में खाप पंचायतों ने समाज को जोड़े रखने का काम किया था, लेकिन बदलते समय में उनके कुछ कड़े फैसलों और सामाजिक बहिष्कार जैसे कदमों से उनकी छवि प्रभावित हुई है। हालांकि राहत की बात यह है कि अब कई समझदार खाप पंचायतें भी अपनी सोच में लचीलापन ला रही हैं और गांव या गोत्र की मर्यादा न टूटने की शर्त पर अंतर-जातीय विवाहों को धीरे-धीरे स्वीकार करने लगी हैं। आज स्थिति यह है कि अपनी मर्जी से शादी करने वाले बच्चे अपने ही माता-पिता से जान का खतरा बताकर कोर्ट में सुरक्षा मांगते हैं। वहीं दूसरी तरफ, झूठी प्रतिष्ठा की आड़ में माता-पिता या भाइयों द्वारा अपने ही बच्चों की जान लेने की घटनाएं समाज को शर्मसार कर रही हैं। सरकारें और कानून प्रेम विवाह करने वालों को पुलिस सुरक्षा, आश्रय और आर्थिक मदद दे रहे हैं। कानून की नजर में यह अधिकारों की रक्षा हो सकती है, लेकिन समाज के उन लाचार माता-पिता की स्थिति कोई नहीं देखता, जिनका बच्चा रातों-रात पुलिस के साए में घर छोड़कर चला गया। व्यवस्था को ऑनर किलिंग की चिंता है, लेकिन उस सोशल किलिंग या सामाजिक मृत्यु का क्या, जो हर दिन उन बेबस माता-पिता की होती है? वे समाज के तानों और तिरस्कार के बीच जीते हैं, जो किसी भी शारीरिक मृत्यु से कहीं ज्यादा क्रूर और अंतहीन है।

> भारतीय परिवेश में माता-पिता की सबसे बड़ी पूंजी उनके बच्चों के संस्कार होते हैं। जब संतान उनके जीवन भर के त्याग और ममता को भुलाकर पल भर के आकर्षण को प्यार का नाम देकर विद्रोह कर देती है तो माता-पिता को लगता है कि उनकी पूरी जिंदगी और उनकी परवरिश ही असफल हो गई।

भारतीय परिवेश में माता-पिता की सबसे बड़ी पूंजी उनके बच्चों के संस्कार होते हैं। जब संतान उनके जीवन भर के त्याग और ममता को भुलाकर पल भर के आकर्षण को प्यार का नाम देकर विद्रोह कर देती है तो माता-पिता को लगता है कि उनकी पूरी जिंदगी और उनकी परवरिश ही असफल हो गई। यह शर्मिंदगी सिर्फ झूठे अहंकार की नहीं होती, बल्कि यह एक गहरा अपराध बोध होता है कि वे अपने बच्चे को अच्छे संस्कार देने में नाकाम रहे। यह मानसिक प्रताड़ना किसी भी शारीरिक चोट से ज्यादा जानलेवा होती है।भारतीय संस्कृति कभी प्रेम के खिलाफ नहीं रही है। हमारी परंपरा में राधा-कृष्ण और शिव-पार्वती के अलौकिक प्रेम को पूजा जाता है। हमारे समाज में प्रेम का आधार हमेशा त्याग, संयम, जिम्मेदारी और पूरे परिवार को साथ लेकर चलना रहा है। लेकिन आज आधुनिकता, रील संस्कृति और सोशल मीडिया के प्रभाव में जिसे प्रेम कहा जा रहा है, वह ज्यादातर सिर्फ एक क्षणिक शारीरिक आकर्षण और मानसिक अपरिपक्वता का छलावा है। जब कुछ महीनों या सालों में यह आकर्षण खत्म होता है और जीवन की असली चुनौतियाँ तथा आर्थिक तंगी सामने आती है तो ऐसे विवाह अक्सर घरेलू हिंसा, आपसी नफरत, तलाक और वीभत्स अपराधों में बदल जाते हैं। तब उन युवाओं के पास न तो समाज का सहारा बचता है और न ही वे माता-पिता को मुँह दिखाने लायक रहते हैं।इस सामाजिक जटिलता का हल केवल कानून के डंडे या खाप के कड़े बहिष्कारों से नहीं निकल सकता। इसके लिए सभी पक्षों को मिलकर बीच का रास्ता खोजना होगा। माता-पिता को बच्चों पर अपनी मर्जी थोपने के बजाय उनके साथ मित्रवत संवाद स्थापित करना होगा और मार्गदर्शक बनना होगा। युवाओं को भी यह समझना चाहिए कि स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं है।

क्षण भर के आकर्षण के लिए अपने जन्म देने वाले माता-पिता को समाज के तानों के बीच घुट-घुट कर मरने के लिए छोड़ देना कहीं से भी न्यायसंगत नहीं है। उन्हें भागने के बजाय धैर्यपूर्वक अपने माता-पिता को विश्वास में लेने का परिपक्व प्रयास करना चाहिए। खाप और चौपालों को भी बदलते समय के साथ युवाओं और माता-पिता के बीच बातचीत का पुल बनना चाहिए। सरकारों को 'सेफ हाउस' बनाने के साथ-साथ व्यापक स्तर पर पारिवारिक और सामाजिक काउंसलिंग पर भी ध्यान देना चाहिए। जब तक हम अपनी जड़ों, अपने भाईचारे और अपने संस्कारों का संरक्षण एक आधुनिक और लचीले दृष्टिकोण के साथ नहीं करेंगे, तब तक यह आधुनिकता खोखली ही रहेगी। हरियाणा ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत की वास्तविक सामाजिक और सांस्कृतिक सुंदरता तभी सुरक्षित रह सकती है जब यहाँ की चौपालों का गौरवशाली भाईचारा, परिवारों की मर्यादाएं और नई पीढ़ी के सपने, सब एक साथ मिलकर सुरक्षित रहेंगी।

ग़ज़ल — सत्यवीर नाहड़िया

साच कहण का टाळा

साच कहण का टाळा होग्या।
लोकलाज का गाळा होग्या।।

काक्का-ताऊ भाई पाच्छै,
सभतै आग्गै साळा होग्या।।

पिछली बरियाँ बाढ़ लूट ग्यी,
इबकै बैरी पाळा होग्या।।

काल्य तलक थी निरमल नदिया,
इब तै गंदा नाळा होग्या।।

सह्या नहीं जा-कह्या नहीं जा,
इसा ज्यान नै फाळा होग्या।।

तेराह ताळी भोत सुणी थी,
पर इब तेराह ताळा होग्या।।

पूत पीटते मात-पिता नै,
कळजुग कितणा काळा होग्या।।

नहीं नज़र म्हैं दया-धरम सै,
इसा आँख्य म्हैं जाळा होग्या।।

बेईमान नहीं वो नेता,
कह 'नाहड़िया' चाळा होग्या।।

कविता — भूपसिंह भारती

करो योग का नेम बावले

निकला जासै टेम बावले।
करो योग का नेम बावले।।

सुबह सबेरै उठ रोजाना,
खेल योग का गेम बावले।

बिना योग हो रोग भतेरे,
फेर करै तू क्लेम बावले।

फाइल फिरैगी दफ्तरां म्ह,
घणा करैगा ब्लेम बावले।

खांसी दमा बिमारी मेंटे,
योग मेट दे म्हेम बावले।

काया दमकै योग करां तै,
रहैगी कुशलछेम बावले।

इब योग दुनिया म्ह छाया,
मिलै योग तै फेम बावले।

कहै 'भारती' योग कराकर,
फेर मिलै हूर सी मेम बावले।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कर्मभूमि — कुरुक्षेत्र की पावन स्थली पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिया था श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश

हरियाणा : शौर्य, स्वाभिमान और बलिदान का जीवंत शिलालेख

शौर्य गाथा

अंकुर शर्मा

हरियाणा महज एक राज्य का नाम नहीं है, बल्कि यह शौर्य, स्वाभिमान, त्याग और बलिदान का एक जीवंत शिलालेख है। यह एक कृषि प्रधान प्रदेश होने के साथ-साथ वीरों की जननी और धर्मरक्षकों की कर्मभूमि है। उत्तर-पश्चिम से आने वाले हर विदेशी आक्रांता को दिल्ली पहुंचने से पहले हरियाणा की माटी और यहां के वीरों के फौलादी सीनों से टकराना पड़ा। इस धरती की पहचान उसके खेतों से जितनी है, उतनी ही उसके रणबांकुरों से भी है। यहाँ हल की फाल और तलवार की धार, दोनों को समान आदर के साथ पूजा जाता है। हरियाणा का इतिहास वस्तुतः भारत की रक्षा का इतिहास है और यहां की वीर गाथाएं भारतीय उपमहाद्वीप के स्वाभिमान की धुरी रही हैं।

हरियाणा की शूरवीरता की जड़ें अत्यंत गहरी और पौराणिक हैं, जिसका सूत्रपात महाभारतकालीन कुरुक्षेत्र से होता है। कुरुक्षेत्र का मैदान केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि न्याय, धर्म और कर्म का सबसे बड़ा दार्शनिक केंद्र है। इसी धर्मभूमि पर महाभारत का महासमर लड़ा गया, जहां भीष्म पितामह के व्रत, कर्ण के पराक्रम, अभिमन्यु के अद्वितीय बलिदान तथा अर्जुन के शौर्य ने वीरता की अमिट मिसालें स्थापित कीं। यहीं भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश दिया गया, जो अन्याय के विरुद्ध शस्त्र उठाने और फल की इच्छा से मुक्त होकर कर्तव्य-पथ पर डटे रहने का सबसे बड़ा दार्शनिक उपदेश है। मध्यकाल में विदेशी आक्रमणों के विरुद्ध संघर्ष ने हरियाणा की वीरता को नई पहचान दी। इतिहास गवाह है कि दिल्ली के तख्त के भाग्य का फैसला हमेशा हरियाणा के मैदानों, विशेषकर पानीपत और तराईन में हुआ। तराईन के युद्धों में पृथ्वीराज चौहान के नेतृत्व में यहां के योद्धाओं ने अदम्य साहस का परिचय दिया। रेवाड़ी के वीर सपूत हेमचंद्र विक्रमादित्य (हेमू) इस परंपरा के सबसे तेजस्वी नक्षत्र हैं। एक साधारण परिवार में जन्म लेकर उन्होंने अपने अदम्य साहस से दिल्ली के सिंहासन तक का सफर तय किया और 1556 के द्वितीय पानीपत युद्ध में अंतिम क्षण तक रणभूमि में डटे रहे। इसी तरह हसन ख़ाँ मेवाती जैसे योद्धाओं ने खानवा के युद्ध में राणा साँगा के साथ मिलकर विदेशी सत्ता का सामना किया, जो यह सिद्ध करता है कि यहां की वीरता जाति या संप्रदाय से ऊपर उठकर मातृभूमि को समर्पित रही है। मुगल काल में औरंगजेब की क्रूर नीतियों के खिलाफ तिलपत के गोकुला जाट के नेतृत्व में किसानों का विद्रोह इस बात का प्रमाण है कि यहां का सामान्य कृषक भी समय आने पर अपना हल छोड़कर खड्ग उठाने में संकोच नहीं करता। जब 1857 में भारत ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ प्रथम स्वाधीनता संग्राम का बिगुल फूंका तो उसकी पहली चिंगारी 10 मई को मेरठ से भी कुछ घंटे पूर्व अम्बाला छावनी में सुलग चुकी थी। इस महासंग्राम में हरियाणा के रजवाड़ों और आम जनता ने मिलकर अभूतपूर्व वीरता का प्रदर्शन किया। अहीरवाल क्षेत्र में राव तुलाराम ने अंग्रेजों की विशाल सेना को नाकों चने चबवा दिए। बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह, झज्जर के नवाब अब्दुर रहमान खान और फर्रुखनगर के नवाब अहमद अली गुलाम खान जैसे देशभक्तों ने हंसते-हंसते फाँसी के फंदे चूम लिए, परंतु गुलामी स्वीकार नहीं की। हिसार, हांसी और रोहतक के गांवों में साधारण किसानों ने अपने पारंपरिक हथियारों से तोपों का सामना किया। इस दौरान हजारों गांव जला दिए गए, अनगिनत युवाओं को सरेआम पेड़ों से लटका कर फांसी दे दी गई लेकिन हरियाणा का स्वाभिमान नहीं झुका। आधुनिक सैन्य इतिहास में भी हरियाणा का योगदान अतुलनीय है। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध से लेकर आजादी के बाद के हर संघर्ष में यहां के सैनिकों ने शहादत दी है।

1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांगला की बर्फीली चोटियों पर मेजर शैतान सिंह के नेतृत्व में 13 कुमाऊं रेजिमेंट की अहीर कंपनी के 114 जवानों ने आखिरी गोली और आखिरी सांस तक लड़कर हजारों चीनी सैनिकों को रोके रखा। 1965, 1971 और कारगिल युद्ध में भी इस प्रदेश के सैनिकों ने अद्भुत साहस का परिचय दिया, जिसमें परमवीर चक्र से सम्मानित मेजर होशियार सिंह का शौर्य सैन्य इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। यही कारण है कि आज भी भारतीय सशस्त्र बलों में हर दसवां सैनिक इसी माटी का है और सैनिक का सम्मान यहां की सामाजिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा है।हरियाणा की वीर गाथाओं को कालजयी बनाने का काम यहाँ की समृद्ध लोक-संस्कृति, साँग परंपरा और हरियाणवी लोकगीतों ने किया है। इन लोकगीतों का दार्शनिक विवेचन स्पष्ट करता है कि इनमें केवल युद्ध का वर्णन नहीं है, बल्कि मातृभूमि के प्रति प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा का एक गहरा जीवन-दर्शन छिपा है। इन वीर गाथाओं के साहित्यिक संरक्षण के लिए यह आवश्यक है कि ऐतिहासिक दस्तावेजों और मूल पांडुलिपियों का ही आश्रय लिया जाए। हरियाणा की वीर गाथाएं केवल इतिहास की किताबों में दर्ज अतीत का गौरव नहीं हैं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत हैं। वे यहाँ के लोक-जीवन, खेतों, अखाड़ों और रागिनियों में धड़कती हुई जीवंत परंपराएं हैं। कुरुक्षेत्र के धर्मयुद्ध से लेकर हेमू के स्वाभिमान, हसन ख़ाँ मेवाती के बलिदान, राव तुलाराम के संघर्ष और आधुनिक सेना के रणबांकुरों तक वीरता की यह अखंड परंपरा निरंतर प्रवाहित होती रही है। यह आवश्यक है कि इस गौरवशाली इतिहास को केवल स्मारकों तक सीमित न रखकर साहित्य और जनसंचार माध्यमों के द्वारा नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए। जब भी भारत की वीरभूमियों का स्मरण होगा, अपने रक्त से राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखने वाली हरियाणा की इस वीर-प्रसूता भूमि का नाम सदैव अग्रिम पंक्ति में आदर के साथ लिया जाएगा।

> *इतिहास गवाह है कि दिल्ली के तख्त के भाग्य का फैसला हमेशा हरियाणा के मैदानों, विशेषकर पानीपत और तराईन में हुआ। तराईन के युद्ध में पृथ्वीराज चौहान के नेतृत्व में यहां के योद्धाओं ने अदम्य साहस का परिचय दिया।*

सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है मेहनत : रमेश मूर्ति

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणवी रंगमंच और सिनेमा की दुनिया में कुछ ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और अभिनय के प्रति समर्पण के बल पर एक अलग पहचान बनाई है। उन्हीं कलाकारों में एक नाम है रमेश मूर्ति का। लगभग 26 वर्षों से रंगमंच और अभिनय के क्षेत्र में सक्रिय रमेश मूर्ति ने अपने सशक्त अभिनय से न केवल मंच पर बल्कि हरियाणवी सिनेमा और ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर भी दर्शकों के बीच अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

'अखाड़ा', 'सांगी', 'कांड 2010', 'अग्निवीर' और 'लाइसेंस' जैसी फिल्मों व वेबसीरीज में उनके दमदार अभिनय को दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। उन्होंने 'अखाड़ा' (सीरीज), 'बारहवीं वाला प्यार', 'कांड 2010', 'अग्निवीर', 'सांगी', 'पितरोष', 'ढाई दिन' और 'लाइसेंस' में अपनी लाजवाब अदाकारी से हरियाणवी सिनेमा मे अपनी अलग पहचान बनाई है। इसके अलावा, आने वाले प्रोजेक्ट्स में 'मिसिंग' और 'मितवा तोड़-फोड़ कंपनी' शामिल हैं। रमेश मूर्ति को रंगमंच का शौक स्कूल के समय से ही था। स्कूल में एक स्किट में इन्होंने महात्मा गांधी की भूमिका निभाई थी। बचपन में वे स्कूल से छुट्टी करके फ़िल्में और सांग देखने भी जाया करते थे। दसवीं की परीक्षा देने के बाद उन्होंने एक नाटक समूह बनाया और अनेक नाटक किए, जिन्हें परिवार के लोगों ने देखा। कहा जा सकता है कि रमेश मूर्ति की रंगमंच यात्रा उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक और सकारात्मक रही। इस सफ़र ने उन्हें स्वयं को समझने का अवसर दिया और साथ ही दूसरों को भी करीब से जानने का अनुभव मिला। रमेश रंगमंच को ही अपनी दुनिया मानते हैं। वे कहते हैं, 'गांव में सांग देखते समय मेरे मन में हमेशा यह भावना आती थी कि मैं भी एक दिन ऐसा कर सकता हूं।' वहीं से रंगमंच के प्रति उनका लगाव और गहरा होता चला गया। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए रंगमंच ही उसका परिवार और उसकी दुनिया होता है। जब भी हम रंगमंच से जुड़ते हैं, तो हमारे भीतर एक अलग भाव पैदा होता है और दुनिया को देखने का नजरिया बदल जाता है। उन्होंने स्टेज ऐप और सुपवा-दोनों के साथ काम किया है। इस दौरान उन्हें नए-नए लोगों से मिलने और बहुत कुछ नया सीखने का अवसर मिला। हरियाणवी सिनेमा के बारे में उनका मानना है कि वह अभी विकास के शुरुआती दौर में है (कुछ प्रोजेक्ट्स को छोड़कर)। हम जैसे कलाकारों को अभी और अधिक मेहनत करने की जरूरत है, ताकि हरियाणवी सिनेमा विश्व स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बना सके। 'कांड 2010', 'सांगी' और 'अग्निवीर' में रमेश की भूमिकाएं बेहद प्रभावशाली रही हैं। अभिनय की दृष्टि से 'सांगी' फ़िल्म में नानू का किरदार और 'अखाड़ा' में वीरभान का किरदार दर्शकों को विशेष रूप से पसंद आया। अभिनय के लिहाज से ये दोनों किरदार रमेश के दिल के बहुत करीब हैं। रमेश मूर्ति ने बताया कि जब भी उन्हें कोई किरदार मिलता है, तो वह सबसे पहले निर्देशक के साथ बैठकर उस किरदार पर विस्तार से चर्चा करते हैं। इसके बाद अपने विवेक से उस पात्र की उम्र, शारीरिक बनावट, उसके परिवेश, उसकी आदतों, उसके समय और उसकी मानसिक स्थिति को समझने की कोशिश करते हैं तभी वह पूरी तैयारी के बाद उस किरदार को पर्दे पर जीवंत रूप दे पाते हैं। रमेश मूर्ति ने रंगमंच और बड़े परदे दोनो जगह काम किया है। रंगमंच और कैमरे के सामने अभिनय करने में वे कई अंतर मानते हैं। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए रंगमंच पर प्रस्तुति देना सबसे अधिक आनंददायक होता है, क्योंकि वहां दर्शक सामने मौजूद होते हैं। कलाकार के हर संवाद और अभिनय पर तुरंत दर्शकों की प्रतिक्रिया मिलती है, जिससे उसका उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ता है। वहीं, कैमरे के सामने पूरी जिम्मेदारी कलाकार पर होती है। वहां तत्काल दर्शकों की प्रतिक्रिया नहीं मिलती, इसलिए कलाकार को अपने अभिनय पर पूरा भरोसा रखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ता है। एक कलाकार के रूप में संघर्ष के दिनों ने रमेश को बहुत कुछ सिखाया, जिसे वे आज भी अपने साथ लेकर चलते हैं। उनके शब्दों में-'मुझे रंगमंच करते हुए लगभग 26 वर्ष हो चुके हैं। इस दौरान जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन मैंने एक ही बात सीखी-मेहनत और लगातार संघर्ष।' वे आगे कहते हैं, 'इस सफ़र में मुझे कई तरह के लोग मिले और जीवन को करीब से समझने का अवसर मिला। रंगमंच ने मुझे सम्मान दिया और लोगों को पहचानने की समझ भी दी।' हरियाणा के रंगमंच और हरियाणवी सिनेमा की वर्तमान स्थिति के बारे में पूछने पर रमेश मूर्ति ने बताया कि हरियाणा में रंगमंच से जुड़े कलाकार बहुत अच्छा और रचनात्मक काम कर रहे हैं। नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं। हरियाणवी रंगमंच और सिनेमा में अपार संभावनाएं हैं और आने वाले समय में यह और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। आजकल यथार्थ और सामाजिक मुद्दों पर आधारित फ़िल्में अधिक बन रही हैं। हरियाणवी सिनेमा में लंबे अंतराल के बाद आई 'दादा लखमी' फ़िल्म एक मील का पत्थर साबित हुई। इस फ़िल्म ने हरियाणवी सिनेमा को नई दिशा दी। इससे हरियाणवी फ़िल्मों के प्रति लोगों का नज़रिया बदला और एक सकारात्मक माहौल बना। उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स में 'मिसिंग' और 'मितवा तोड़-फोड़ कंपनी' शामिल हैं। उन्हें विश्वास है कि ये दोनों फ़िल्में दर्शकों को पसंद आएंगी और दर्शक उन्हें एक नए अंदाज़ में देखेंगे। आज के युवाओं को रमेश यही सलाह है कि वे अधिक से अधिक साहित्य पढ़ें, कविताएँ पढ़ें, नाटक पढ़ें, अच्छी फ़िल्में देखें और रंगमंच से अवश्य जुड़ें। अभिनय सीखने का सबसे अच्छा माध्यम थिएटर है। इसके साथ ही सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है-मेहनत, मेहनत और लगातार मेहनत। इनका मानना है कि हर बच्चे और हर युवा को जीवन में कम-से-कम एक बार रंगमंच से अवश्य जुड़ना चाहिए।

> एक अभिनेता के रूप में रमेश का मानना है कि किसी वास्तविक और समाज से जुड़े किरदार को रंगमंच या सिनेमा के माध्यम से दर्शकों के सामने प्रस्तुत करना एक कलाकार के लिए सबसे सुखद अनुभव होता है। ऐसी फ़िल्में केवल मनोरंजन ही नहीं करतीं, बल्कि समाज को सकारात्मक संदेश भी देती हैं। इसलिए उन्हें इस तरह की फ़िल्मों का हिस्सा बनना हमेशा अच्छा लगता है।

खबर संक्षेप

ऑपरेशन सिंदूर पर देश को सच बताना सरकार की जिम्मेदारी : कर्नल

चरखी दादरी। पूर्व विधायक कर्नल रघबीर सिंह छिल्लर ने कहा कि देश की सुरक्षा और सेना के शौर्य पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

यदि संसद में कहा गया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किसी भी जवान को नुकसान नहीं हुआ और बाद में शहीद जवानों की जानकारी सार्वजनिक हुई, तो इस पूरे मामले पर सरकार को देश और संसद के सामने स्पष्ट एवं विस्तृत जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिक देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देते हैं। ऐसे में प्रत्येक शहीद का सर्वोच्च सम्मान होना चाहिए तथा उनके बलिदान से जुड़ी जानकारी पूरी पारदर्शिता के साथ देश के सामने रखी जानी चाहिए। कर्नल छिल्लर ने कहा कि लोकतंत्र में संसद सर्वोच्च संस्था है। यदि किसी बयान को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ है, तो सरकार को सभी तथ्यों के साथ स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए ताकि किसी प्रकार का भ्रम न रहे और देशवासियों का विश्वास बना रहे। उन्होंने कहा कि शहीदों का सम्मान किसी दल का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का विषय है।

कांग्रेस सरकार में कच्चा तेल महंगा लेकिन पेट्रोल व डीजल सस्ता था: सविता

भिवानी। यूपीए सरकार में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में 2004 से 2014 तक देश में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार थी। इस दौरान दुनिया ने कच्चे तेल का सबसे महँगा दौर देखा लेकिन पेट्रोल व डीजल आज के दौर से बहुत सस्ता था। यह बात कांग्रेस नेत्री एवं महिला विंग की पूर्व प्रदेश महासचिव सविता मान ने निरंतर बढ़ हरे पेट्रोल, डीजल व एलपीजी गैस पर चिंता व्यक्त करते हुए कही। उन्होंने बताया कि 2008 में जब मनमोहन सिंह हमारे देश के प्रधानमंत्री थे तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 140 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुँच गई थी। इस दौरान कच्चे तेल का औसत मूल्य भी कुछ वर्ष लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहा। पूरे यूपीए कार्यकाल का औसत लगभग 80 डॉलर प्रति बैरल रहा। जबकि 2014 में मोदी जी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार सत्ता में आई। उसके शुरुआती वर्षों में वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई।

खाटू श्यामजी और हरिद्वार जाने के लिए नारनौल ठहरेगी ट्रेन

नारनौल। खाटूश्यामजी व हरिद्वार जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए अच्छी खबर है। पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल ने जुलाई के दौरान वेरावल व हरिद्वार के बीच विशेष किराये पर समर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन रींगस (खाटूश्यामजी) होते हुए संचालित होगी, जिससे शेखावाटी क्षेत्र के साथ-साथ नारनौल, अटेली और रेवाड़ी क्षेत्र के यात्रियों को भी सीधी रेल सुविधा मिलेगी। दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच नारनौल-अटेली ने लंबे समय से इस रूट पर विशेष ट्रेन चलाने की मांग रेलवे बोर्ड के समक्ष उठाई थी। रेलवे बोर्ड की ओर से इस मांग पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए जुलाई माह में स्पेशल ट्रेन संचालित करने की मंजूरी दी गई है।

हरियाणा जागृति मोर्चा ने किसानों के धरने का किया समर्थन

सरकार किसानों और ग्रामीणों को सुविधाएं देने में विफल रही

सुंदर नहर में पूरे सप्ताह पानी के लिए किसान कई दिन से हैं धरने पर

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

सुंदर नहर में 15 दिन तक लगातार और पूरा पानी छोड़ने की मांग को लेकर किसानों का धरना रविवार को नौवें दिन भी जारी रहा। पूरे सप्ताह नहर में पर्याप्त पानी नहीं पहुंचने से किसानों में रोष बना हुआ है। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द मांग पूरी नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। रविवार को धरने की अध्यक्षता रतेरा के पूर्व सरपंच जगदीश तथा जमालपुर के सरदारा राम ने संयुक्त रूप से की।

धरने को समर्थन देने हरियाणा जागृति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट राजेश सिंधु भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि पानी के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। लोगों को स्वच्छ और पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है,

बवानीखेड़ा। सुंदर नहर में पानी की मांग को लेकर धरने पर बैठी महिलाएं।

पानी मिलने तक धरना रहेगा जारी

धरने को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय किसान सभा के तहसील प्रधान कामरेड राजेश कुंगड़ ने कहा कि किसान पिछले नौ दिनों से शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग उठा रहे हैं, लेकिन प्रशासन और सिंचाई विभाग की ओर से अभी तक कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया है। किसानों का कहना है कि जब तक सुंदर नहर में निर्धारित अवधि तक पूरा पानी नहीं छोड़ा जाएगा, तब तक धरना जारी रहेगा।

लेकिन वर्तमान सरकार किसानों और ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं देने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि सुंदर नहर में पूरा पानी नहीं मिलने से क्षेत्र के किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं। यदि समय पर सिंचाई का पानी नहीं मिला तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने सरकार से तुरंत सुंदर नहर में पूरा पानी छोड़ने और किसानों की मांग स्वीकार करने की अपील की। धरने में अशोक गोयत, प्रहलाद यादव (जमालपुर), रामकुमार यादव, जयवीर फौजी, रामफल श्योराण, सज्जन श्योराण, स्कीम यादव, रोहतास रतेरा सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। महिला किसानों में कान्ता, रूपा, रोशनी, सावित्री, चंद्रो, निम्बो, बिमला, रामरति, सुशीला, कमला, सुलेन्द्रा, राजबाला और रामप्यारी सहित अनेक महिलाओं ने भी धरने में भाग लेकर आंदोलन को समर्थन दिया।

मनोज श्योराण बने अध्यक्ष

■ मंडल अध्यक्ष मुरारी लाल शर्मा ने उनको नियुक्ति का पटका पहनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭बहल

भाजपा ढिगावा मंडल की संगठनात्मक बैठक बिधनोई गांव में आयोजित हुई जिसमें बिधनोई गांव के सरपंच प्रतिनिधि मनोज श्योराण को ढिगावा भाजपा मंडल का किसान मोर्चा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

मंडल अध्यक्ष मुरारी लाल शर्मा ने उनको नियुक्ति का पटका पहनाया और उनके दायित्व की जानकारी दी। रविवार को आयोजित बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्ययोजना और 'एसआईआर' जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मंडल अध्यक्ष मुरारी लाल शर्मा ने भाजपा के संगठनात्मक विस्तार के लिए योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बूथ स्तर पर पार्टी को और मजबूत करने का आह्वान किया।

बहल। आयोजित बैठक में मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में मंडल उपाध्यक्ष रोशन श्योराण, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष नवीन बागान, अजय श्योराण, सज्जन फौजी बिधनोई, राममेहर यादव, महिला मोर्चा अध्यक्ष रामकला, जितेंद्र, सीटू शर्मा, ईश्वर और रविंद्र शामिल रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

राष्ट्रीय एकता व अखंडता के पर्याय, महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती है। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपाईयों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर भाजपा के पूर्व प्रदेश सह मीडिया प्रमुख रीतिक वधवा ने कहा कि कहा कि एक समय जम्मू-कश्मीर में प्रवेश के लिए परमिट लेना पड़ता था। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने एक विधान, एक प्रधान और एक निशान के संकल्प के लिए अपना बलिदान देकर कश्मीर से परमिट राज खत्म कर उसे भारत का अभिन्न अंग बनाया। डॉ. मुखर्जी जी के इस संघर्ष और त्याग के हम सदैव ऋणी रहेंगे।। किसान मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक तिगड़ी, भूपेंद्र तिगड़ी, अजीत तिगड़ी ने भी मुखर्जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

भिवानी। मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

बूथ प्रबंधन को लेकर किया मंथन

■ भाजपा ईशरवाल मंडल की मासिक बैठक हुई आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

रविवार को ईशरवाल मंडल के गांव पटौदी में भाजपा की मासिक बैठक आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष कुलदीप महला ने की। बैठक के दौरान मुख्य वक्ता के तौर पर पहुंचे मंडल प्रभारी रमेश लालावास ने कार्यकर्ताओं का एसआईआर, बूथ प्रबंधन और विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में मार्गदर्शन किया।

इस दौरान रमेश लालावास ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा देश व प्रदेश में जमकर विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। भाजपा सरकार सदैव जनता के हित में रही है, भाजपा सरकार के कार्यकर्ता से लेकर मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री तक कोई भी न तो गलत कार्य करता है और न ही गलत कार्य होने देता है। भाजपा सरकार ने देश व प्रदेश में समान रूप से विकास कार्य करवाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश दिन दोगुनी रात चौगुनी तरक्की की राह पर निरंतर अग्रसर है।

तोशाम। बूथ प्रबंधन को लेकर आयोजित बैठक में मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर राजपाल कड़वासरा, राज भेरा, शीशराम शर्मा, राजेश धुवां, पवन सरपंच, रामबीर प्रधान, अमित शर्मा, संदीप सुरा, पवन बीडीसी, रामनिवास, प्रवीण, अमित, संजय, कुलदीप, रवींद्र, राजबीर, रामचंद्र, चंद्रभान सरपंच, कर्ण सिंह, नरेश, रामपाल, दीपक आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तोशाम में पेड़ कटाई पर हंगामा

■ तोशाम के शहीद पार्क में ग्राम पंचायत वर्षों पुराने हरे वृक्षों को काटकर बना रही है लाइब्रेरी

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

तोशाम के शहीद पार्क में ग्राम पंचायत तोशाम द्वारा सालों पुराने हरे वृक्षों को काटकर लाइब्रेरी का निर्माण किया जा रहा है। जिसको लेकर स्थानीय निवासियों में काफी रोष है और महिलाएं सालों पुराने हरे वृक्षों को कटता हुआ देखकर भावुक हो रही हैं तथा वृक्षों से लिपटकर किसी भी सूरत में हरे वृक्षों को न कटने देने पर अड़ी हुई है।

तोशाम के शहीद पार्क के नजदीक स्थित मोहल्ला निवासी महिला दर्शना, माया, कमलेश पंघाल, सत्यवती, कविता, मूर्ति, भानी, सूरजमुखी, संतोष, यशवंती, मोनिका, केला, शीला, रामप्यारी, संतोष, लाली, सुनीता, गुड्डी, माया तथा स्थानीय पुरुष बलजीत, सीनू, भागू पंघाल, संदीप लारा, मोनू, राहुल, रोहतास, ईश्वर, राजवीर, पूर्व पंच लक्ष्मण दास, रामदयाल, रोहतास आदि का कहना था कि सरकार एक तरफ तो पर्यावरण बचाने तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का नारा दे रही है वहीं दूसरी तरफ सालों पुराने बड़े-बड़े वृक्षों को लाइब्रेरी के नाम पर काटा जा रहा है, जोकी बिल्कुल गलत है। उनका कहना था कि तोशाम का शहीद पार्क काफी प्राचीन है और बचपन से उनकी यादें इस पार्क के साथ जुड़ी हुई है।

पार्क के अंदर सालों की मेहनत से बच्चे की तरह पालन-पोषण करके वृक्षों को उन्होंने बड़ा किया है लेकिन ग्राम पंचायत तोशाम के सरपंच राजेश तंवर के द्वारा वर्षों पुराने हरे वृक्षों को काटा जा रहा है। जिसका उन्हें काफी दुख है और वह किसी भी सूरत में न तो वृक्षों को काटने देंगे और ने ही शहीद पार्क को ध्वस्त होने देंगे।

पेड़ों को उखड़ता देखकर भावुक हुई महिलाएं

महिलाओं ने कहा कि यदि ग्राम पंचायत जबरदस्ती पेड़ों को उखाड़ेगी तो वह पेड़ों से लिपट जाएंगी और पेड़ों के बर्बाद होने से पहले वह अपनी जान की बाजी लगा देंगी। इस दौरान मौजूद महिलाएं उखड़े पड़े पेड़ों को देखकर भावुक भी हो गई और बिलखते हुए प्रशासन तथा सरकार से हरे वृक्षों को ने उखाड़ने की गुहार लगाती नजर आई। उल्लेखनीय है कि शहीद पार्क में शहीद स्मारक का शिलान्यास सन 2015 में 31 अगस्त को भिवानी के तत्कालीन उपायुक्त डॉक्टर साकेत कुमार के कर कमलों द्वारा तोशाम के तत्कालीन एसडीएम सतबीर सिंह लोहचब की अध्यक्षता में तोशाम के तत्कालीन सरपंच देवराज गोयल की उपस्थिति में हुआ था।

चेयरमैन के जन्मदिन पर 28 युवाओं ने किया रक्तदान

■ एशिया कबड्डी फेडरेशन के चेयरमैन हैं गुलाब सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

जन्मदिन को केवल केक काटने और उत्सव तक सीमित रखने की बजाय उसे समाज सेवा से जोड़ने का प्रेरणादायी संदेश देखने को मिला। नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था (रजि.) एवं श्री नंदलाल चावला मेमोरियल ट्रस्ट रजि. के संयुक्त तत्वावधान में एशिया कबड्डी फेडरेशन के चेयरमैन गुलाब सिंह सैनी के जन्मदिन के अवसर पर मिनी बाईपास स्थित कदम हॉस्पिटल के सामने भिवानी ब्लड सेंटर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 28 युवाओं ने रक्तदान कर मानव सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में देवसर धाम के पुजारी कंवरपाल उपस्थित रहे।

भिवानी। रक्तदाता को स्मृति चिंह देकर सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

भविष्य में भी कार्यक्रम होंगे आयोजित

संस्था के मीडिया कोऑर्डिनेटर सुरेश सैनी ने कहा कि नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि संस्था भविष्य में भी रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता एवं जनहित के कार्यक्रम लगातार आयोजित करती रहेगी।

एक रक्तदाता बचा सकता है तीन जान

अतिथियों ने कहा कि रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त से तीन अलग-अलग रक्त अवयव तैयार किए जा सकते हैं, जिससे तीन जरूरतमंद मरीजों की सहायता संभव होती है। अर्थात एक रक्तदाता तीन लोगों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ और अन्य शुभ अवसरों पर फिजूल खर्च करने की बजाय रक्तदान जैसे कार्य करने चाहिए। इससे समाज में सेवा और संवेदनशीलता की भावना मजबूत होती है। कार्यक्रम की अति विशिष्ट अतिथि पार्षद प्रवीण चावला, विशिष्ट अतिथि पार्षद विनोद प्रजापति व योगाचार्य जेई बिजेश जावला ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यकर्ता पार्टी की बड़ी ताकत

■ भाजपा बवानीखेड़ा मंडल की मासिक बैठक संपन्न, संगठन मजबूती पर हुआ मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

भारतीय जनता पार्टी बवानीखेड़ा मंडल की मासिक बैठक रविवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस, बवानीखेड़ा में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष प्रदीप राणा ने की। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने, पिछले कार्यक्रमों की समीक्षा करने तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विशेष रूप से मंडल पालक रविंद्र बपोड़ा, नगरपालिका बवानीखेड़ा अध्यक्ष सुंदर अत्री, जगदीश गौतम, रघुवीर गुर्जर, जगदंबा मेहता, करण शर्मा, पवन मेहता, एडवोकेट विनोद बाबूजी, संजय कदावला तथा जितेंद्र नंबरदार सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थिति में मंडल अध्यक्ष प्रदीप राणा ने कार्यकर्ताओं से संगठन की नीतियों एवं कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

बवानीखेड़ा। आयोजित मीटिंग में उपस्थित पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

दक्ष समाज ने लगाई छबील

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

भीषण गर्मी के बीच दक्ष समाज द्वारा राहगीरों एवं स्थानीय लोगों के लिए ठंडे मीठे पानी की छबील लगाकर सेवा का सराहनीय कार्य किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने छबील का लाभ उठाया और समाज के इस जनसेवा अभियान की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

कार्यक्रम में हाल ही में नियुक्त दक्ष समाज के प्रधान जोगीराम ठेकेदार नाहड़िया तथा मनोनीत नगरपालिका पार्षद श्रीभगवान नाहड़िया ने कहा कि समाज सेवा ही संगठन की सबसे बड़ी पहचान है। उन्होंने बताया कि छबील का आयोजन समाज के सभी सदस्यों के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है।

बवानीखेड़ा। मीठे पानी की छबील लगाते हुए। फोटो: हरिभूमि

भंडारे में सैकड़ों लोगों ने चखा प्रसाद

उन्होंने घोषणा की कि आने वाले दिनों में दक्ष समाज की ओर से एक विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें क्षेत्र के सभी लोगों को आमंत्रित किया जाएगा। प्रधान जोगीराम नाहड़िया, श्रीभगवान नाहड़िया ने सुनील हलवाई, दिनेश वर्मा, डॉ. विनोद, ओ.पी. वर्मा, गणेश वर्मा, हितेश वर्मा, मास्टर अजीत, आशीष शर्मा एवं आशू वर्मा संग मिलकर कहा कि समाज की एकजुटता और सहयोग की भावना ही ऐसे सेवा कार्यों को सफल बनाती है। उन्होंने छबील के आयोजन में सहयोग देने वाले सभी समाजबंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी तरह सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और उन्होंने स्वयं छबील में सेवा देकर लोगों को ठंडा मीठा पानी पिलाया।

विरोध-प्रदर्शन पीएचईडी के कर्मचारियों का आंदोलन छठे दिन भी रहा जारी

200 कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर ड्यूटी की और सरकार व विभाग के खिलाफ रोष जताया

■ 17 माह से लंबित किट, साबुन, डांगरी, रेनकोट और जूतों के भुगतान की मांग की

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढड़ा

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग पीएचईडी के कर्मचारियों का 17 माह से लंबित किट, साबुन, डांगरी, रेनकोट और जूतों के भुगतान को लेकर शुरू किया गया काली पट्टी आंदोलन रविवार को छटें दिन भी जारी रहा। जिले के विभिन्न कार्यालयों में करीब 200 कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर ड्यूटी की और सरकार व विभागीय अधिकारियों के खिलाफ रोष जताया। इस दौरान आधा दर्जन गांवों के सरपंचों ने उनकी मांग का समर्थन किया।

बाढड़ा। काले बिल्ले लगाकर प्रदर्शन करते कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

16 जुलाई से टूल डाउन आंदोलन शुरू होगा

कर्मचारियों ने लंबित मेडिकल बिलों का तत्काल भुगतान तथा समय पर वेतन जारी करने की भी मांग उठाई। कर्मचारियों का कहना है कि पिछले 17 महीने से सुरक्षा सामग्री का भुगतान नहीं होने से कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। कई बार मांग उठाने और अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया, जिससे कर्मचारियों में नाराजगी लगातार बढ़ रही है। आंदोलन को अब जनप्रतिनिधियों का भी खुला समर्थन मिलने लगा है। ग्राम पंचायत बडराई के सरपंच सचिन और ग्राम पंचायत गोपालवास की सरपंच मुनेश देवी ने विभाग के कार्यकारी अभियंता को लिखित पत्र भेजकर कर्मचारियों की मांगों को जायज बताते हुए तत्काल भुगतान कराने की मांग की है। इसके अलावा अब तक आधा दर्जन सरपंच आंदोलन के समर्थन में सामने आ चुके हैं। सरपंचों ने चेतावनी दी है कि यदि 15 जुलाई तक कर्मचारियों का बकाया जारी नहीं किया गया तो 16 जुलाई से टूल डाउन आंदोलन शुरू होगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों की पेयजल व्यवस्था प्रभावित होने पर इसकी पूरी जिम्मेदारी विभाग और सरकार की होगी।

खबर संक्षेप

निर्माण मजदूर करेंगे कैबिनेट घेराव

भिवानी। संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा, हरियाणा के आह्वान पर जिले भर के निर्माण मजदूर अपनी लंबित मांगों को लेकर 15 जुलाई को प्रातः नेहरू पार्क, भिवानी में एकत्रित होंगे। गांव बलियाली प्रेम नगर तालु बड़सी में निर्माण मजदूरो को संबोधित करते हुए इंटक जिला प्रधान रामतोर खोरड़ा ने कहा कि 11 महीने से बंद पड़े श्रम पोर्टल को खोलाने को लेकर एक साल से मजदूर सड़कों पर आंदोलन कर रहा है श्रम बोर्ड खोलने के बाद भी बोर्ड में बहुत अड़चनें है और कहा भिवानी में आयोजित सभा के बाद मजदूरों का विशाल जुलूस हरियाणा सरकार की कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी के आवास की ओर प्रस्थान करेगा, जहां प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा जाएगा।

श्रम आयुक्त चंद्रपाल श्योराण को मातृशोक

बाढड़ा। गांव धनासरी निवासी सहायक श्रम आयुक्त चंद्रपाल श्योराण की माता सुरपी देवी का निधन हो गया। उनके निधन पर अनेक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पहुंच कर गहरा शोक जताया। सरकार के सहायक श्रम आयुक्त चंद्रपाल श्योराण की माता सुरपी देवी धर्मपत्नि हजारी लाल पिछले कुछ समय से बिमार चल रही थी। वह आजीवन आर्य समाज विचारधारा को अपनाती रही। उनके निधन पर गांव धनासरी स्थित आवास पर पूर्व कर्नल छतरसिंह आर्य, पूर्व विधायक सोमबीर सिंह, संदीप सिंह, युवा कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप आर्यनगर, मनोज जेवली, संदीप ढाणी सुरजा आदि ने शोक प्रकट किया।

5.46 ग्राम हेरोइन के साथ दो युवक गिरफ्तार

लोहारू। लोहारू डिटेक्टिव स्टाफ द्वारा 5.46 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को पुलिस ने एक दिन के रिमांड के बाद न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार लोहारू डिटेक्टिव स्टाफ टीम ने पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार के निर्देशानुसार इन दिनों जिले में मादक पदार्थ की तस्करी करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चला रखा था। उसी अभियान के तहत डिटेक्टिव स्टाफ लोहारू की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए औरंगनगर से दिनोद की ओर मोटरसाइकिल पर जा रहे दो लोगों को मौके पर ही काबू कर लिया।

सड़क पर मिट्टी व शिल्ट डलने से रास्ता हुआ अवरुद्ध

सीवर की खुदाई के चलते छह दिनों से घरों में कैद है तेलीवाड़ा के लोग

सीवर मरम्मत बनी मुसीबत, तेलीवाड़ा में सड़क बंद और पानी ठप, सड़क पर मिट्टी-गाद का ढेर, ठेकेदार लेबर की कमी बता रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। क्षतिग्रस्त सीवर से निकाली गई गाद का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

सीवर लाइन थोड़ा सा डैमेज टूकड़े को बदलने में छह दिन का वक्त लग गया। लाइन बदलने वाले मजदूरों ने पूरी लाइन खोद डाली और उससे निकली मिट्टी व गाद को सड़क पर डाल दिया। जिस वजह से अब तेलीवाड़ा के इस सड़क पर रहने वाले लोग घरों में ही कैद हो गए है। वे न तो बाइक घर पर ला सकते है और न ही कोई गाड़ी। हैरानी की बात यह है कि सीवर लाइन की वजह से उक्त इलाके में दो दिनों से पीने के पानी की सप्लाई भी नहीं पहुंच पा रही है। जिसके चलते गर्मी के मौसम में लोगों का हलक सूख रहा है। इस बारे में अधिकारियों से शिकायत की जाती है तो बताया जाता है कि लाइन डैमेज थी। उसको बदला जा रहा है। फिलहाल तेलीवाड़ा के लोग बेहद परेशानी के दौर से गुजर रहे है। बताते है कि विगत में तेलीवाड़ा में सीवर लाइन के जाम होने की शिकायत की थी। शिकायत के बाद लाइन की खुदाई करवाई तो लाइन का एक टूकड़ा खराब मिला। ठेकेदार ने उस टूकडे को खुदवा कर बदल दिया। खुदाई के दौरान निकली शिल्ट व मिट्टी को सडक किनारे डाल दिया। जिसके चलते अब इस इलाके की सड़क पर कार तो क्या बाइक व साइकिल भी नहीं निकल सकती। लोग पैदल भी घरों के आगे बनी पैडियों से होकर निकल रहे है। इस बारे में कई बार शिकायत की,लेकिन अभी तक समाधान नहीं हो पाया है।

क्षेत्रवासी हरिश गोस्वामी ने बताया कि सीवर लाइन खराब होने की वजह से उनके इलाके में पिछले दो दिनों से पीने के पानी की सप्लाई भी नहीं आ रही है। वे पीने के पानी के लिए तरस रहे है। जब वे इस बारे में पब्लिक हेल्थ विभाग से सम्पर्क करते है तो उनको कहा जाता है कि ठेकेदार कार्य करने लग रहा है। अगले एक दो दिनों में समाधान हो जाएगा। जब ठेकेदार से बात की जाती है तो कहा जाता है कि लेबर नहीं मिली और एक दो दिनों में दुरुस्त कर दिया जाएगा। फिलहाल क्षेत्र के लोग परेशानी के दौर में है।

क्या कहते है ठेकेदार

इस बारे में ठेकेदार विवेक ने बताया कि पहले थोड़ी सी लाइन खराब नजर आ रही थी। जब खुदाई करवाई तो पूरी लाइन डैमेज निकली। पहले लाइन प्लास्टिक के पाइपों की थी। जिस वजह से लिकेज बंद ही नहीं हो पा रही थी। अब उसकी जगह नई आरसीसी की लाइन डाली जाएगी। आज रात को उक्त लाइन डाले जाने का कार्य पूरा कर दिया जाएगा। उसके बाद लिकेज की कोई समस्या नहीं रहेगी।

मानव सेवा के अर्थ को सार्थक करता है रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

रक्तदान ही महादान है और किसी की स्मृति में रक्तदान जैसी सराहनीय मुहिम को अपनाना ही सच्ची मानव सेवा है। यह बात हरियाणा राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार ने रविवार को स्थानीय चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल के रक्तकोष में आयोजित एक भव्य रक्तदान शिविर के दौरान व्यक्त किए। यह शिविर सहारा चेरिटेबल ट्रस्ट और वंशिका फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त मुहैया करवाकर उनका जीवन बचाना था। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार ने कहा कि रक्तदान करने से शरीर में किसी भी प्रकार की कोई शारीरिक कमजोरी नहीं आती है।

भिवानी। रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पुण्यतिथि पर रक्तदान लगाकर दी श्रद्धांजलि

शिविर की आयोजक वंशिका फाउंडेशन से आरती सोनी और सहारा चेरिटेबल ट्रस्ट कि संस्थापाक सदस्य पुनिता सिवाच ने बताया कि यह शिविर रिश्तों की गरिमा और अपनों की याद को जीवंत रखने का एक अनूठा प्रयास था। उन्होंने जानकारी दी कि यह रक्तदान शिविर शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा के जीजा स्व. मनोज चौपड़ा की पुण्यतिथि तथा रक्तवीर मनीष वर्मा के पिता स्व. अत्तर सिंह सोनी खेड़ीवाले की स्मृति में आयोजित किया गया। शिविर में भावुक और सेवाभावी माहौल के बीच रक्तदाताओं ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया।

शिकायत के बाद भी नहीं हटा गली से अवैध कब्जा

भिवानी। अमर नगर टिब्बा बस्ती वार्ड नं. 16 निवासी रेखा ने उपायुक्त को शिकायत पत्र सौंपते हुए रेखा ने बताया कि उनके वार्ड में उनके मकान के सामने गली में अवैध रूप से कब्जा किया हुआ है। उन्होंने बताया कि उनके मकान के सामने व आस-पास के निवासी लोगों ने अपने मकानों के सामने पक्की सीढिय़ां बना रखी हैं। जिसके कारण गली का मार्ग अवरूद्ध हो गया। जिसके कारण वहां से निकलने में काफी परेशानी होती है। उन्होंने बताया कि अवैध कब्जे के कारण गली काफी संकरी हो गई है।

युवाओं ने बदली गांव की तस्वीर खोरड़ा में चला स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढड़ा

गांव खोरड़ा में रविवार को युवाओं ने स्वच्छता और जनसेवा का अनूठा उदाहरण पेश करते हुए पूरे गांव में व्यापक सफाई अभियान चलाया। अभियान के दौरान गांव की गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर फैले कचरे को हटाकर साफ-सफाई की गई। साथ ही, लंबे समय से खराब पड़े और टूटे हुए पानी के नलों की मर मत कर ग्रामीणों की पेयजल समस्या को दूर करने का प्रयास किया गया। इस सामाजिक पहल में गांव के सरपंच रामफल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक श्रमदान किया। युवाओं ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ गांव का निर्माण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए प्रत्येक ग्रामीण की भागीदारी भी जरूरी है। अभियान के दौरान लोगों को साफ-सफाई बनाए रखने, कचरा इधर-उधर नहीं फेंकने और सार्वजनिक सम्पति की देखभाल करने के लिए भी जागरूक किया गया।

लोहारू विधानसभा क्षेत्र को मिली 15.43 करोड़ की सड़क परियोजनाओं की सौगात

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

लोहारू विधानसभा क्षेत्र के लोगों के लिए बड़ी सौगात देते हुए हरियाणा सरकार के लोक निर्माण भवन एवं सडक़ विभाग ने क्षेत्र की 13 महत्वपूर्ण सडक़ परियोजनाओं के लिए 1543.15 लाख रुपये (करीब 15.43 करोड़ रुपये) की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। इन परियोजनाओं के तहत 19.29 किलोमीटर लंबी सडक़ों का विशेष मरम्मत, सुदृढ़ीकरण एवं आवश्यक स्थानों पर चौड़ीकरण किया जाएगा। कांग्रेस विधायक राजबीर फरटिया ने कहा कि वे लगातार हलके के कल्याण के लिए सरकार और लोकनिर्माण विभाग के समक्ष पैरवी कर रहे थे। उसी का परिणाम है कि सरकार ने 15.43 करोड़ रुपये की सडक़ परियोजनाओं को मंजूरी दी है। लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार इन सभी कार्यों पर कुल 1543.15 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। विभाग ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप सभी कार्य शीघ्र शुरू करने और समयबद्ध तरीके से पूरा कराने के निर्देश दिए हैं। विधायक राजबीर फरटिया ने कहा कि बेहतर सडक़ें किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती हैं। सडक़ें मजबूत होने से किसानों को अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों का सफर आसान होगा तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

मार्केट न्यूज

एमके हॉस्पिटल, भिवानी द्वारा निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन

भिवानी। एमके हॉस्पिटल, भिवानी हॉस्पिटल परिसर में एक विशाल निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर रविवार 5 जुलाई को आयोजित किया गया, जिसमें नगरवासियों और आस पास के ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच करवाई। इस स्वास्थ्य शिविर में 300 से अधिक मरीजों ने विभिन्न रोगों की जांच करवाई एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श प्राप्त किया।

शिविर में एमके हॉस्पिटल के अनुभवी व प्रशिक्षित डॉक्टर: हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ, यूरो सर्जरी विशेषज्ञ, कान नाक गला रोग विशेषज्ञ, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञश, हृदय रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ, बाल एवं नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ, डायटिशियन विशेषज्ञ, फिजियोथैरेपी विशेषज्ञ, आपातकालीन चिकित्सा विशेषज्ञ, क्रिटिकल केयर मेडिसिन विशेषज्ञ, जनरल, लेप्रोस्कोपिक एवं गैस्ट्रो सर्जरी विशेषज्ञ, सामान्य चिकित्सा एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ, उपस्थित रहे। मरीजों को मुफ्त मैमोग्राफी, ईसीजी, बीएमडी, शुगर जांच, ऑडियोमेट्री, एक्स-रे स्क्रीनिंग की सुविधा प्रदान की गई। इसके साथ-साथ नवजात शिशु व बच्चों को हैपेटाइटिस A, टाइफाइड, चिकन पॉक्स व इन्फ्लुएंजा का निःशुल्क टीकाकरण दिया गया।

सबसे तेज लक्ष्मी ने चलाई साइकिल

■ साइक्लिंग लीग से बेटियों को मिलेगा नया मंच, खेलों से बनेगा स्वस्थ, अनुशासित एवं नशामुक्त समाज : कोच सोमबीर सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

को क्षेत्र के गांव ईशरवाल में महिला साइक्लिंग लीग का सफलतापूर्वक एवं उत्साहपूर्ण आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर साइक्लिंग कोच सोमबीर सिंह ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने और ग्रामीण प्रतिभाओं को नई दिशा देने का सशक्त अभियान हैं। प्रतियोगिता में लगभग 100 महिला साइकिलिस्टों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता के 13–14 वर्ष आयु वर्ग में लक्ष्मी प्रथम, यीशु द्वितीय तथा खुशी तृतीय स्थान पर रहीं। 15–16 वर्ष आयु वर्ग में पिंकी ने प्रथम, आदिति ने द्वितीय तथा खुशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं 17–18 वर्ष आयु वर्ग में प्रतिभा प्रथम, मोनिका द्वितीय तथा अंजलि तृतीय स्थान पर रहीं। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। इस दौरान कोच सोमवीर सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन अवसरों का अभाव अक्सर इन प्रतिभाओं को आगे बढ़ने से रोक देता है। ऐसे में जब जिला स्तर की प्रतियोगिता गांव के निकट आयोजित होती है, तो यह विशेष रूप से बेटियों के लिए अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का एक अमूल्य अवसर बन जाती है।

तोशाम। साइक्लिंग प्रतियोगिता को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए।

मांढी हरिया में निशुल्क नेत्र जांच शिविर, 110 मरीजों की हुई जांच

बाढड़ा। पूर्व जिला पार्षद एवं प्रदेश अध्यक्ष जय हिंद मंच सुमित शर्मा डुडीवाला के नेतृत्व में बाढड़ा खंड के गांव मांढी हरिया में धीर हॉस्पिटल, भिवानी की ओर से निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में मांढी हरिया, मांढी केहर और मांढी पिरानू सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई। शिविर में कुल 110 मरीजों की ओपीडी की गई। चिकित्सकों ने मरीजों की आंखों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया तथा जरूरतमंदों को आगे के उपचार के लिए मार्गदर्शन किया। धीर हॉस्पिटल की ओर से डॉ. आरुषि, डॉ. पवन, डॉ. राजकुमार, डॉ. सुखबीर, अंकित और मोनिका ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इस अवसर पर पूर्व जिला पार्षद एवं प्रदेश अध्यक्ष जय हिंद मंच सुमित शर्मा डुडीवाला ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लोगों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुए थाई खेल को मिली हरियाणा ओलंपिक संघ से मान्यता

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। नवनियुक्त सदस्यों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पंचकूला स्थित हरियाणा ओलम्पिक भवन में मुए थाई स्पोर्ट्स एसोसिएशन- हरियाणा की वार्षिक एजीम मीटिंग व इलेक्शन का आयोजन किया गया । जानकारी देते हुए प्रदेश संघ के महासचिव सोमबीर वशिष्ठ ने बताया कि 4 जुलाई को हरियाणा ओलम्पिक भवन में हरियाणा ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष जसविंदर मीनू बेनीवाल व कोषाध्यक्ष मनजीत सिंह की अध्यक्षता में संघ की वार्षिक बैठक व इलेक्शन का आयोजन किया गया जिसमें यूनाइटेड मुए थाई एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव डॉ श्री राम चौधरी व हरियाणा ओलम्पिक संघ से रविन्द्र पानु ऑब्जर्वर व आर ओ एडवोकेट देवेन रहेजा मौजूद रहे। इलेक्शन को सर्वसम्मति से संपन्न किया गया। इसके बाद सभी नवनिर्वाचित सदस्यों कि मीटिंग की गई जिनमें खेल विस्तार पर खुलकर चर्चा की गई व भविष्य में मिट्टी से मॉडल तक के विजन के बारे में व खिलाड़ियों को सभी प्रकार के लाभ आदि मिलने के बारे में बताया गया । नवनियुक्त राज्य कार्यकारिणी में अध्यक्ष सत्य प्रकाश बने , उपाध्यक्ष शशी प्रताप सिंह , सुनील कुमार व गुरप्रीत कौर बने, महासचिव सोमबीर वशिष्ठ, कोषाध्यक्ष नंदलाल शर्मा बने , सहसचिव राजकुमार व जयसिंह जबकि राकेश कुमार व राजवीर, सतेन्द्र को सदस्य चुना गया। कार्यकारिणी की घोषणा के पश्चात संघ की गोपनीयता की शपथ दिलाई गई व हरियाणा ओलंपिक संघ की तरफ से मुए थाई खेल संघ हरियाणा के सदस्यों को हरियाणा ओलम्पिक संघ से मान्यता कि घोषणा कि व प्रमाण पत्र दिया गया।

रोजगार के अवसर

इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष सत्य प्रकाश व महासचिव सोमबीर वशिष्ठ ने मुए थाई खेल को मान्यता देनें के लिए माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी , खेल मंत्री गौरव गौतम, हरियाणा ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष जसविंदर मीनू बेनीवाल कोषाध्यक्ष मंजीत सिंह, राष्ट्रीय महासचिव डॉ श्री राम चौधरी, रविन्द्र पानु व हरियाणा ओलम्पिक संघ के सभी सदस्यों का धन्यवाद व आभार प्रकट किया। इसके बाद सभी अतिथियों को मुए थाई खेल संघ हरियाणा की तरफ से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। महासचिव सोमबीर वशिष्ठ ने कहा कि मुए थाई खेल को हरियाणा ओलम्पिक संघ से मान्यता के बाद हरियाणा स्टेट गेम्स व 39 वें नेशनल गेम्स में खेलने का मौका मिलेगा जिसके सर्टीफिकेट कि खेल ग्रेडेशन भी बनेगी जिससे खिलाड़ियों को हरियाणा सरकार में नौकरी के अवसर मिलेंगे ।

जूनियर रग्बी सेवन प्रतियोगिता के लिए हरियाणा जूनियर लड़कों की टीम घोषित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

■ चरखी दादरी जिले के राजेन व यशेष भी होगे टीम का हिस्सा

हरियाणा जूनियर लड़कों के रग्बी प्रशिक्षण शिविर के अंतिम दिन राष्ट्रीय जूनियर रग्बी सेवन प्रतियोगिता के लिए राज्य टीम का चयन पानीपत में खिलाड़ियों के प्रदर्शन, तकनीकी कौशल, शारीरिक फिटनेस एवं अनुशासन के आधार पर कोच अमन मलिक एवं कोच राजेश तक्षक ने किया। उन्होंने बताया कि टीम की कमान पानीपत के विनय को सौंपी गई है, जबकि हिसार के रचित को उपकप्तान नियुक्त किया गया है। टीम में पानीपत के देव सैनी, कुलवंत एवं प्रत्यूष, हिसार के लक्ष्य हंसीवाल, साहिल, मोहित, मनीष एवं लक्ष्य बूरा, झज्जर के रुद्र डागर तथा चरखी दादरी के लक्ष्य राजेन को स्थान दिया गया है। इसके अतिरिक्त हिसार के अमन एवं सुमित तथा चरखी दादरी के यशेष को सबस्टिट्यूट खिलाड़ियों के रूप में चयनित किया गया है। टीम के कोच अमन मलिक तथा टीम मैनेजर राजेश तक्षक प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय जूनियर रग्बी सेवन प्रतियोगिता का आयोजन हैदराबाद में किया जाएगा, जिसमें जूनियर लड़कों के मुकाबले 10 एवं 11 जुलाई को खेले जाएंगे। हरियाणा की टीम 7 जुलाई को हैदराबाद के लिए रवाना होगी। चयन प्रक्रिया के समापन अवसर पर पूर्व कबड्डी खिलाड़ी एवं हरियाणा पुलिस के डीएसपी विकास चहल तथा पानीपत के प्रख्यात उद्योगपति नितिन अग्रवाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हरियाणा का गौरव बढ़ाने का संदेश दिया। उग्रखेड़ी सरपंच सुधीर मलिक ने भी खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए अनुशासन, समर्पण और टीम भावना के साथ खेलते हुए सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

दादरी में एमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन हरियाणा की सामान्य बैठक संपन्न

नए प्रावधानों के अनुरूप अपनी चुनाव प्रक्रिया हो : कृष्ण लाल

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

एमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन हरियाणा की सामान्य निकाय की बैठक रविवार को स्थानीय तिकोना पार्क के समीप स्थित एसोसिएशन कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हरियाणा के पंचायत एवं खनन मंत्री तथा एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्ण लाल पंवार ने की। बैठक में अध्यक्ष कृष्ण लाल पंवार ने नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट-2025 एवं नियमों की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि सभी जिला इकाइयों को नए प्रावधानों के अनुरूप अपनी चुनाव प्रक्रिया समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करनी होगी। उन्होंने एसोसिएशन के संविधान में आवश्यक संशोधनों पर भी विचार-विमर्श कराया।

चरखी दादरी। बैठक में मौजूद एसोसिएशन के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

बैठक में चेयरमैन कुलदीप दलाल, महासचिव नसीब जांगू, सहसचिव कुलदीप सिंह, कोषाध्यक्ष अनिल राठी, उपप्रधान धीरेन्द्र मलिक, संगीता, श्वेता, ममता शर्मा, अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी एवं पंचकूला के सचिव राजेश नरवाल, यमुनानगर के सचिव सोनू, परमजीत दलाल, मनोज दलाल, विकास चहल सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। इसके अलावा सोसायटी सलाहकार सुरेन्द्र जांगड़ा, जितेन्द्र उर्फ चिंटू तथा विरेन्द्र फोगाट सहित अन्य सदस्य भी बैठक में मौजूद रहे।

C.R. LAW COLLEGE
RAJGARH ROAD, HISAR
(Affiliated to GJUS&T, Hisar & Approved by Bar Council of India)
Permanent Recognition (NOC) from Haryana Govt.
Seth Chhaju Ram (1901-1943)
ADMISSION OPEN For Academic Session 2026-27
DIRECT ADMISSION ON MERIT BASIS
B.A. LL.B. 5 YEAR INTEGRATED COURSE AFTER 10+2 — LAST DATE : 06 JULY 2026
LL.B. (Professional) 3 YEAR DEGREE COURSE AFTER GRADUATION — LAST DATE : 30 JULY 2026
For General Category Candidates Minimum 45% Marks aggregate and for SC/ST Candidates Minimum 40% Marks aggregate in the qualifying exam (Any Stream)
LL.M. 2 YEAR PROGRAMME — LAST DATE 30 JULY 2026 — For General Category Candidates Minimum 50% Marks in the aggregate and for SC/ST Candidates Minimum 45% Marks in LL.B.
APPLY ONLINE FOR ADMISSION
www.crlawcollege.com | crlawcollege5@gmail.com | crlawcollegeofficial
Helpline Number: 89508-48988, 9812126302, 9466441636, 01662-254270
Dr. Krishan Kumar Kajal, Principal
Sh. Dildar Singh Poonia, President, Jat Educational Society, Hisar